(HINDI) SYLLABUS OF CLASSES I TO VIII
(2021-2022)

CLASS-I	
पाठ्यक्रम	
सत्र-1 (TERM-1)	**सत्र-2 (TERM-2)**
1. स्वर 2.व्यंजन 3. मात्राओं की पहचान 4.बिना मात्रा वाले शब्दों का अभ्यास ।	1.स्वर 2.व्यंजन 3. मात्राओं से शब्द बनाना 4. पाठों का अभ्यास कार्य।

CLASS-II	
पाठ्यक्रम	
सत्र -1(TERM-1)	**सत्र-2 (TERM-2)**
1.स्वर की मात्राएं = (पाठ -1से 7 तक) 2.व्यंजन= (क से ज्ञ तक) कहानी संचय -पाठ 1 से 4 तक।	स्वर की मात्राएं = (पाठ -8 से 13तक) **व्याकरण** 1. गिनती 2. एक-अनेक 3.उल्टे अर्थ वाले शब्द कहानी संचय -पाठ 5 से 8 तक।

CLASS-III	
पाठ्यक्रम	
सत्र -1(TERM-1)	**सत्र-2 (TERM-2)**
पुस्तक -नवतरंग भाग -2 पाठ-1 फूलों का संसार (कविता) पाठ-2 व्यस्त मकड़ी पाठ-3 पेंसिल बैंक पाठ -4 तितली (कविता) पाठ -5 फुटबॉल निकली सैर को (मौखिक पठन) * कहानी संचय -1से 4 तक	**पुस्तक -नवतरंग भाग -2** पाठ-6 बड़े काम की चीज़ पाठ-7 खट्टे हैं अंगूर (कविता) पाठ -8 अनोखा क्रिसमस ट्री पाठ-11मददगार कौआ *कहानी संचय -5 से 8 तक

व्याकरण	**व्याकरण**
1.संज्ञा 2. लिंग 3.वचन 4.विलोम शब्द 5.पठित बोध 6.अपठित बोध **रचनात्मक कार्य** 1.चित्र-वर्णन 2. अनुच्छेद।	1.संज्ञा 2.सर्वनाम 3.लिंग 4.वचन 5.विलोम शब्द 6. पठित बोध 7.अपठित बोध। **रचनात्मक कार्य** 1.चित्र-वर्णन 2. अनुच्छेद।
CLASS-IV	
पाठ्यक्रम	
सत्र -1(TERM-1) **पुस्तक- नवतरंग** 1.जी होता चिड़िया बन जाऊं (कविता) 2. आनंदी का जन्म दिन (कहानी) 3. दादी मां का आइपैड (वार्ता लाप) 4.फूलों का त्योहार (पत्र) 5. खेल दिवस (कहानी) **व्याकरण** 1.भाषा 2.वर्ण 3.मात्राएं 4. संयुक्त अक्षर 5.संयुक्त व्यंजन 6.संज्ञा	**सत्र-2 (TERM-2)** **पुस्तक- नवतरंग** 6. शून्य (कविता) 7. ढका हुआ गमला (कहानी) 8. हवा (कविता) 9.अक्ल बड़ी या भैंस (कहानी) 10.रेल की कहानी **व्याकरण** 1.भाषा 2.वर्ण 3.मात्राएं 4. संयुक्त अक्षर 5.संयुक्त व्यंजन 6.संज्ञा 7.सर्वनाम 8.विशेषण 9.काल 10.क्रिया 11. गिनती 12. दिनों के नाम 13.महीनों के नाम।

<table>
<tr><td>

<u>व्यावहारिक व्याकरण</u>

1.लिंग
2.वचन
3.विलोम शब्द
4.अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
5.पर्यायवाची शब्द।

<u>रचनात्मक कार्य</u>

1.अनुच्छेद लेखन
2. पत्र लेखन
3.अपठित- पठित - गद्यांश -पद्यांश
4.चित्र लेखन
5.कहानी लेखन

*** कहानी संचय -1से 5 तक**

</td><td>

<u>व्यावहारिक व्याकरण</u>

1.लिंग
2.वचन
3.विलोम शब्द
4.अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
5.पर्यायवाची शब्द।

<u>रचनात्मक कार्य</u>

1.अनुच्छेद लेखन
2. पत्र लेखन
3.अपठित- पठित - गद्यांश -पद्यांश
4.चित्र लेखन
5.कहानी लेखन
6.पत्र
7.अनुच्छेद
8.चित्र लेखन

*** कहानी संचय -6 से 8 तक**

</td></tr>
<tr><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td colspan="2">

CLASS-V

</td></tr>
<tr><td colspan="2">

पाठ्यक्रम

</td></tr>
<tr><td>

<u>सत्र -1(TERM-1)</u>

<u>पुस्तक- नवतरंग</u>

1.चिड़िया का गीत (कविता)
2. वृक्षों का रक्षाबंधन (पर्यावरण)
3. बैठो पीठ पर (किस्सा)
4. हिमालय (कविता)
5. सवारी हूँ मैं बड़ी निराली (आत्मकथा)

<u>पूरक पुस्तिका (कहानी संचय)</u>

1. राजकुमारी खो गई।
2. सबसे बड़े भक्त की खोज
3. आठ आने का तेल
4. मातृभाषा
5. अतिथि सत्कार

</td><td>

<u>सत्र-2 (TERM-2)</u>

<u>पुस्तक- नवतरंग</u>

10. होगा दूर अंधेरा (कविता)
11. अपना-अपना जीवन (कहानी)
12. हृदय परिवर्तन (कहानी)
13. चतुर चित्रकार (कविता)
14. कूप-मंडूक (मुहावरा-कथा)

<u>पूरक पुस्तिका (कहानी संचय)</u>

6. रूप बड़ा या गुण
7. बादल भूत
8. घणी गई थोड़ी रही
9. स्नेही राजकुमारी
10. सुनयना

</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td>

व्याकरण

1. संज्ञा
2. सर्वनाम
3. भाषा और व्याकरण
4. वर्ण विचार
5. संयुक्त व्यंजन।

व्यावहारिक व्याकरण(50%)

1. लिंग
2. वचन
3. विलोम शब्द
4. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
5. पर्यायवाची शब्द।

रचनात्मक कार्य

1. चित्र वर्णन (चित्र देखकर कहानी)
2. पत्र लेखन (प्रधानाचार्य को अवकाश हेतु)
3. अनुच्छेद लेखन

</td><td>

व्याकरण

1. संज्ञा
2. सर्वनाम
3. विशेषण
4. काल
5. क्रिया
6. वर्ण विचार,
7. संयुक्त व्यंजन
8. हिंदी महीनों के नाम।

व्यावहारिक व्याकरण (100%)

1. लिंग
2. वचन
3. विलोम शब्द
4. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
5. पर्यायवाची शब्द।

रचनात्मक कार्य

1. चित्र देखकर कहानी लेखन
2. पत्र लेखन (प्रधानाचार्य को)
3. अनुच्छेद लेखन

</td></tr>
<tr><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td colspan="2">

CLASS-VI

</td></tr>
<tr><td colspan="2">

पाठ्यक्रम

</td></tr>
<tr><td>

सत्र -1(TERM-1)

पुस्तक- वसंत भाग-1(Workbook)

1. वह चिड़िया जो (कविता)
2. बचपन (संस्मरण)
3. नादान दोस्त (कहानी)
4. चाँद से थोड़ी सी गप्पें (कविता)
5. अक्षरों का महत्त्व (निबंध)
7. साथी हाथ बढ़ाना (गीत)

बाल रामकथा

1. अयोध्या में राम
2. जंगल और जनकपुर
3. दशरथ के दो वरदान

</td><td>

सत्र-2 (TERM-2)

पुस्तक- वसंत भाग-1(Workbook)

9. टिकट-अलबम (कहानी)
11. जो देखकर भी नहीं देखते (निबंध)
12. संसार पुस्तक है (पत्र)
13. मैं सबसे छोटी होऊँ(कविता)
16. वन के मार्ग में (कविता)
17. साँस-साँस में बाँस (निबंध)

बाल रामकथा

7. सोने का हिरण
8. सीता जी की खोज
9. राम और सुग्रीव

</td></tr>
</table>

4. राम का वन जाना	10. लंका में हनुमान
5. चित्रकूट में भरत	11. लंका विजय
6. दंडक वन में दस वर्ष	12. राम का राज्याभिषेक
व्याकरण	**व्याकरण**
1. वर्ण विच्छेद	1. वर्ण विच्छेद
2.उपसर्ग	2.उपसर्ग
3. प्रत्यय	3. प्रत्यय
4. लिंग	4. लिंग
5. वचन	5. वचन
6. संज्ञा	6. संज्ञा
7. सर्वनाम	7. सर्वनाम
8. शुद्ध-अशुद्ध (शब्दों में/ वाक्यों में)	8. शुद्ध-अशुद्ध (शब्दों में/ वाक्यों में)
	9. विशेषण
	10. क्रिया
	11. काल
	12. संधि (स्वर संधि)
व्यावहारिक व्याकरण- (50%)	**व्यावहारिक व्याकरण- (100%)**
1. पर्यायवाची शब्द	1. पर्यायवाची शब्द
2. विलोम शब्द	2. विलोम शब्द
3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
4. भिन्नार्थक शब्द	4. भिन्नार्थक शब्द
रचनात्मक कार्य	**रचनात्मक कार्य**
1. कहानी लेखन/ चित्र वर्णन	1. कहानी लेखन/ चित्र वर्णन
2. अनुच्छेदलेखन	2. अनुच्छेदलेखन
3. पत्र लेखन	3. पत्र लेखन
4. अपठित गद्यांश	4. अपठित गद्यांश

CLASS-VII

पाठ्यक्रम

सत्र -1(TERM-1)	**सत्र-2 (TERM-2)**
पुस्तक- वसंत भाग-2(Workbook)	**पुस्तक- वसंत भाग-2(Workbook)**
1. हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)	9. चिड़िया की बच्ची (कहानी)

2. दादी माँ (कहानी) 3. हिमालय की बेटियाँ (पठित बोध) 4. कठपुतली (कविता) 5. मिठाईवाला (कहानी) 6. रक्त और हमारा शरीर (निबंध) **<u>बाल महाभारत</u>** I- आदि पर्व से विराट पर्व तक **<u>व्याकरण</u>** 1. वर्ण विच्छेद 2.उपसर्ग 3. प्रत्यय 4. भाषा 5. लिंग 6. वचन 7. समास 8. शुद्ध-अशुद्ध (शब्दों में/ वाक्यों में) **<u>व्यावहारिक व्याकरण- (50%)</u>** 1. पर्यायवाची शब्द 2. विपरीतार्थक शब्द 3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 4. भिन्नार्थक शब्द **<u>रचनात्मक कार्य</u>** 1. संवाद लेखन 2. अनुच्छेदलेखन 3. पत्र लेखन 4. अपठित गद्यांश	10. अपूर्व अनुभव (पठित बोध) 11. रहीम के दोहे (कविता) 13. एक तिनका (कविता) 14. खानपान की बदलती तस्वीरें (निबंध) 15. नीलकंठ (पठित बोध) **<u>बाल महाभारत</u>** II- उद्योग पर्व से कर्ण, शल्य तथा सौप्तिक पर्व तक **<u>व्याकरण</u>** 1. वर्ण विच्छेद 2.उपसर्ग 3. प्रत्यय 4. लिंग 5. वचन 6. संज्ञा 7. सर्वनाम 8. शुद्ध-अशुद्ध (शब्दों में/ वाक्यों में) 9. विशेषण 10. क्रिया 11. क्रिया विशेषण 12. काल 13. संधि (स्वर संधि) 14. विराम चिह्न **<u>व्यावहारिक व्याकरण- (100%)</u>** 1. पर्यायवाची शब्द 2. विपरीतार्थक शब्द 3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 4. भिन्नार्थक शब्द **<u>रचनात्मक कार्य</u>** 1. संवाद लेखन 2. अनुच्छेदलेखन 3. पत्र लेखन 4. अपठित गद्यांश

CLASS-VIII

पाठ्यक्रम

सत्र -1(TERM-1)	सत्र-2 (TERM-2)
पुस्तक- वसंत भाग-3(Workbook)	**पुस्तक- वसंत भाग-3(Workbook)**
1. ध्वनि (कविता) 2. लाख की चूड़ियाँ (कहानी) 3. बस की यात्रा (व्यंग्य) 4. दीवानों की हस्ती (कविता) 5. चिट्ठियों की अनूठी दुनिया (निबंध) 7. क्या निराश हुआ जाए (निबंध)	9. कबीर की साखियाँ 10. कामचोर (कहानी) 11. जब सिनेमा ने बोलना सीखा 12. सुदामा चरित (कविता) 14. अकबरी लोटा (कहानी) 15. सूर के पद (कविता)
भारत की खोज	**भारत की खोज**
1. अहमदनगर का किला 2. खोज 3. सिंधु घाटी की सभ्यता 4. युगों का दौर 5. नयी समस्याएँ	6. अंतिम दौर-एक 7. अंतिम दौर-दो 8. तनाव 9. दो पृष्ठभूमियाँ- भारतीय और अंग्रेज़ी
व्याकरण	**व्याकरण**
1. वर्ण विच्छेद 2.उपसर्ग 3. प्रत्यय 4. भाषा 5. लिंग 6. वचन 7. समास 8. शुद्ध-अशुद्ध (शब्दों में/ वाक्यों में)	1. वर्ण विच्छेद 2.उपसर्ग 3. प्रत्यय 4. लिंग 5. वचन 6. संज्ञा 7. सर्वनाम 8. शुद्ध-अशुद्ध (शब्दों में/ वाक्यों में) 9. विशेषण 10. क्रिया 11. क्रिया विशेषण 12. काल 13. संधि (स्वर संधि) 14. विराम चिह्न 15. अर्थ के आधार पर वाक्य भेद

व्यावहारिक व्याकरण- (50%)	व्यावहारिक व्याकरण- (100%)
1. पर्यायवाची शब्द 2. विपरीतार्थक शब्द 3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 4. भिन्नार्थक शब्द	1. पर्यायवाची शब्द 2. विपरीतार्थक शब्द 3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 4. भिन्नार्थक शब्द
रचनात्मक कार्य	**रचनात्मक कार्य**
1. लघुकथा लेखन 2. अनुच्छेदलेखन 3. पत्र लेखन 4. अपठित गद्यांश/ पद्यांश	1. लघुकथा लेखन 2. अनुच्छेदलेखन 3. पत्र लेखन 4. अपठित गद्यांश/ पद्यांश

NOTE- Internal Assessment (20 marks) { For classes IV to X}

1. **Speaking and listening (5+5)**
2. **Project Work (10)**

(According to the syllabus and level of the students.)

हिंदी मातृभाषा (कोड 002)
कक्षा 9वीं–10वीं (2021-22)

माध्यमिक स्तर तक आते-आते विद्यार्थी किशोर हो चुका होता है और उसमें सुनने, बोलने, पढ़ने, लिखने के साथ-साथ आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होने लगती है। भाषा के सौंदर्यात्मक पक्ष, कथात्मकता/गीतात्मकता, अखबारी समझ, शब्द शक्तियों कीसमझ, राजनैतिक एवं सामाजिक चेतना का विकास, स्वयं की अस्मिता का संदर्भ और आवश्यकता के अनुसार उपयुक्त भाषा- प्रयोग, शब्दों का सुचिंतित प्रयोग, भाषा की नियमबद्ध प्रकृति आदि से विद्यार्थी परिचित हो जाता है। इतना ही नहीं वह विविध विधाओं और अभिव्यक्ति की अनेक शैलियों से भी परिचित हो चुका होता है। अब विद्यार्थी की दृष्टि आस-पड़ोस, राज्य-देश की सीमा को लांघते हुए वैश्विक क्षितिज तक फैल जाती है। इन बच्चों की दुनिया में समाचार, खेल, फिल्म तथा अन्य कलाओं के साथ-साथ पत्र-पत्रिकाएँ और अलग-अलग तरह की किताबें भी प्रवेश पा चुकी होती हैं।

इस स्तर पर मातृभाषा हिंदी का अध्ययन साहित्यिक, सांस्कृतिक और व्यावहारिक भाषा के रूप में कुछ इस तरह से हो कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर पहुँचते-पहुँचते यह विद्यार्थियों की पहचान, आत्मविश्वास और विमर्श की भाषा बन सके। प्रयास यह भी होगा कि विद्यार्थी भाषा के लिखित प्रयोग के साथ-साथ सहज और स्वाभाविक मौखिक अभिव्यक्ति में भी सक्षम हो सके।

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से -

(क) विद्यार्थी अगले स्तरों पर अपनी रूचि और आवश्यकता के अनुरूप हिंदी की पढ़ाई कर सकेंगे तथा हिंदीमें बोलने और लिखने में सक्षम हो सकेंगे।

(ख) अपनी भाषा दक्षता के चलते उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विज्ञान, समाज विज्ञान और अन्य पाठ्यक्रमों के साथ सहज संबद्धता (अंतर्संबंध) स्थापित कर सकेंगे।

(ग) दैनिक जीवन व्यवहार के विविध क्षेत्रों में हिन्दी के औपचारिक/अनौपचारिक उपयोग की दक्षता हासिल कर सकेंगे।

(घ) भाषा प्रयोग के परंपरागत तौर-तरीकों एवं विधाओं की जानकारी एवं उनके समसामयिक संदर्भों की समझ विकसित कर सकेंगे।

(ड.) हिंदी भाषा में दक्षता का इस्तेमाल वे अन्य भाषा-संरचनाओं की समझ विकसित करने के लिए करसकेंगे।

कक्षा 9वीं व 10वीं में मातृभाषा के रूप में हिंदी-शिक्षण के उद्देश्य :

- कक्षा आठवीं तक अर्जित भाषिक कौशलों (सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना) का उत्तरोत्तर विकास।
- सृजनात्मक साहित्य के आलोचनात्मक आस्वाद की क्षमता का विकास।

- स्वतंत्र और मौखिक रूप से अपने विचारों की अभिव्यक्ति का विकास।
- ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों के विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की विशिष्ट प्रकृति एवं क्षमता का बोध कराना।
- साहित्य की प्रभावकारी क्षमता का उपयोग करते हुए सभी प्रकार की विविधताओं (राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग एवं भाषा) के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील रवैये का विकास।
- जाति, धर्म, लिंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्र आदि से संबंधित पूर्वाग्रहों के चलते बनी रूढ़ियों की भाषिक अभिव्यक्तियों के प्रति सजगता।
- भारतीय भाषाओं एवं विदेशी भाषाओं की संस्कृतिकविविधता से परिचय।
- व्यावहारिक और दैनिक जीवन में विविध अभिव्यक्तियों की मौखिक व लिखित क्षमता का विकास।
- संचार माध्यमों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) में प्रयुक्त हिंदी की प्रकृति से अवगतकराना और नवीन भाषा प्रयोग करने कीक्षमता से परिचय।
- विश्लेषण और तर्क क्षमता का विकास।
- भावभिव्यक्ति क्षमताओं का उत्तरोत्तर विकास।
- मतभेद, विरोध और टकराव की परिस्थितियों में भी भाषा को संवेदनशील और तर्कपूर्ण इस्तेमाल से शांतिपूर्ण संवाद की क्षमता का विकास।
- भाषा की समावेशी और बहुभाषिक प्रकृति की समझ का विकासकरना।

शिक्षण युक्तियाँ

माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापक की भूमिका उचित वातावरण के निर्माण में सहायकहोनी चाहिए। भाषा और साहित्य की पढ़ाई में इस बात पर ध्यान देने की जरूरत होगी कि -

- विद्यार्थी द्वारा की जा रही गलतियों को भाषा के विकास के अनिवार्य चरण के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए जिससे विद्यार्थी अबाध रूप से बिना झिझक के लिखित और मौखिक अभिव्यक्ति करने में उत्साह का अनुभव करें। विद्यार्थियों पर शुद्धि का ऐसा दबाव नहीं होना चाहिए कि वे तनावग्रस्त माहौल में पड़ जाएँ। उन्हें भाषा के सहज, कारगर और रचनात्मक रूपों से इस तरह परिचित कराना उचित है कि वे स्वयं सहजरूप से भाषा का सृजन कर सकें।
- विद्यार्थी स्वतंत्र और अबाध रूप से लिखित और मौखिक अभिव्यक्ति करे। अधिगम बाधित होने पर अध्यापक, अध्यापन शैली में परिवर्तन करें।
- ऐसे शिक्षण-बिंदुओं की पहचान की जाए जिससे कक्षा में विद्यार्थी निरंतर सक्रिय भागीदारी करें और अध्यापक भी इस प्रकिया में उनका साथी बने।

- हर भाषा का अपना व्याकरण होता है। भाषा की इस प्रकृति की पहचान कराने में परिवेशगत और पाठगत संदर्भों का ही प्रयोग करना चाहिए। यह पूरी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि विद्यार्थी स्वयं को शोधकर्ता समझे तथा अध्यापक इसमें केवल निर्देशन करें।
- हिंदी में क्षेत्रीय प्रयोगों, अन्य भाषाओं के प्रयोगों के उदाहरण से यह बात स्पष्ट की जा सकती है कि भाषा अलगाव में नहीं बनती और उसका परिवेश अनिवार्य रूप से बहुभाषिक होता है।
- भिन्न क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त शिक्षण-सामग्री का इस्तेमाल किया जाए तथा किसी भी प्रकार से उन्हेंअन्य विद्यार्थियों से कमतर या अलग न समझा जाए।
- कक्षा में अध्यापक को हर प्रकार की विविधताओं (लिंग, जाति, वर्ग, धर्म आदि) के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील वातावरण निर्मित करना चाहिए।
- काव्य भाषा के मर्म से विद्यार्थी का परिचय कराने के लिए जरूरी होगा कि किताबों में आए काव्यांशों की लयबद्ध प्रस्तुतियों के ऑडियो-वीडियो कैसेट तैयार किए जाएँ। अगर आसानी से कोई गायक/गायिका मिले तो कक्षा में मध्यकालीन साहित्य के अध्यापन-शिक्षण में उससे मदद ली जानी चाहिए।
- रा.शै.अ. और प्र. प.,(एन.सी.ई.आर.टी.) द्वारा उपलब्ध कराए गए अधिगम प्रतिफल /सीखने-सिखाने की प्रक्रिया जो इस पाठ्यचर्या के साथ संलग्नक के रूप में उपलब्ध है, को शिक्षक द्वारा क्षमता आधारित शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त करने के लिये अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने की आवश्यकता है।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के विभिन्न संगठनों तथा स्वतंत्र निर्माताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए कराए गए अन्य कार्यक्रम/ ई-सामग्री वृत्तचित्रों और फीचर फिल्मों को शिक्षण-सामग्री के तौर पर इस्तेमाल करने की जरूरत है। इनके प्रदर्शन के क्रम में इन पर लगातार बातचीत के जरिए सिनेमा के माध्यम से भाषा के प्रयोग कि विशिष्टता की पहचान कराई जा सकती है और हिंदी की अलग-अलग छटा दिखाई जा सकती है।
- कक्षा में सिर्फ पाठ्यपुस्तक की उपस्थिति से बेहतर होगा कि शिक्षक के हाथ में तरह-तरह की पाठ्यसामग्री को विद्यार्थी देखें और कक्षा में अलग-अलग मौकों पर शिक्षक उनका इस्तेमाल करें।
- भाषा लगातार ग्रहण करने की क्रिया में बनती है, इसे प्रदर्शित करने का एक तरीका यह भी है कि शिक्षक खुद यह सिखा सकें कि वे भी शब्दकोश, साहित्यकोश, संदर्भग्रंथ की लगातार मदद ले रहे हैं। इससे विद्यार्थियों में इनके इस्तेमाल करने को लेकर तत्परता बढ़ेगी। अनुमान के आधार पर निकटतम अर्थ तक पहुँचकर संतुष्ट होने की जगह वे सटीक अर्थ की खोज करने के लिए प्रेरित होंगे। इससे शब्दों की अलग-अलग रंगत का पता चलेगा, वे शब्दों के सूक्ष्म अंतर के प्रति और सजग हो पाएँगे।

श्रवण व वाचन (मौखिक बोलना) संबंधी योग्यताएँ

श्रवण (सुनना) कौशल

- वर्णित या पठित सामग्री, वार्ता, भाषण, परिचर्चा, वार्तालाप, वाद-विवाद, कविता-पाठ आदि का सुनकर अर्थ ग्रहण करना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को जानना।

- वक्तव्य के भाव, विनोद व उसमें निहित संदेश, व्यंग्य आदि को समझना।
- वैचारिक मतभेद होने पर भी वक्ता की बात को ध्यानपूर्वक, धैर्यपूर्वक व शिष्टाचारानुकूल प्रकार से सुनना व वक्ता के दृष्टिकोण को समझना।
- ज्ञानार्जन मनोरंजन व प्रेरणा ग्रहण करने हेतु सुनना।
- वक्तव्य का आलोचनात्मक विश्लेषण करना एवं सुनकर उसका सार ग्रहण करना।

श्रवण (सुनना) वाचन (बोलना) का परीक्षण : कुल 5 अंक (2.5+2.5)

- परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 100-150 शब्दों का होना चाहिए।

या

परीक्षक 1-2 मिनट का श्रव्य अंश (ऑडियो क्लिप) सुनवाएगा। अंश रोचक होना चाहिए। कथ्य /घटना पूर्ण एवं स्पष्ट होनी चाहिए। वाचक का उच्चारण शुद्ध, स्पष्ट एवं विराम चिह्नों के उचित प्रयोग सहित होना चाहिए।

- परीक्षार्थी ध्यान पूर्वक परीक्षा/आडियो क्लिप को सुनने के पश्चात परीक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अपनी समझ से मौखिक उत्तर देंगे।

कौशलों के मूल्यांकन का आधार

	श्रवण (सुनना)		वाचन(बोलना)
1	विद्यार्थी में परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है।	1	विद्यार्थी केवल अलग -अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है।
2	छोटे सुसंबद्धकथनों को परिचित संदर्भों में समझने की योग्यता है।	2	परिचित संदर्भों में केवल छोटे सुसंबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
3	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	3	अपेक्षित दीर्घ भाषण में जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है।
4	दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझता है और निष्कर्ष निकाल सकता है।	4	अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत कर सकता है।
5	जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करता है।	5	उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है।

टिप्पणी

- परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाए।

- विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
- निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव संसार के हों, जैसे - कोई चुटकुला या हास्य-प्रसंग सुनाना, हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे गए सिनेमा की कहानी सुनाना।
- जब परीक्षार्थी बोलना प्रारंभ करें तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

पठन कौशल

- सरसरी दृष्टि से पढ़कर पाठ का केंद्रीय विचार ग्रहण करना।
- एकाग्रचित हो एक अभीष्ट गति के साथ मौन पठन करना।
- पठित सामग्री पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करना।
- भाषा, विचार एवं शैली की सराहना करना।
- साहित्य के प्रति अभिरूचि का विकास करना।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं की प्रकृति के अनुसार पठन कौशल का विकास।
- संदर्भ के अनुसार शब्दों के अर्थ–भेदों की पहचान करना।
- सक्रिय (व्यवहारोपयोगी) शब्द भंडार की वृद्धि करना।
- पठित सामग्री के विभिन्न अंशों का परस्पर संबंध समझना।
- पठित अनुच्छेदों के शीर्षक एवं उपशीर्षक देना।
- कविता के प्रमुख उपादान यथा - तुक, लय, यति,गति, बलाघातआदि से परिचित कराना।

लेखन कौशल

- लिपि के मान्य रूप का ही व्यवहार करना।
- विराम-चिह्नों का उपयुक्त प्रयोग करना।
- प्रभावपूर्ण भाषा तथा लेखन-शैली का स्वाभाविक रूप से प्रयोग करना।
- उपयुक्त अनुच्छेदों में बाँटकर लिखना।
- प्रार्थना पत्र, निमंत्रण पत्र, बधाई पत्र, संवेदना पत्र,ई-मेल,आदेश पत्र, एस.एम.एस आदि लिखना और विविध प्रपत्रों को भरना।
- विविध स्रोतों से आवश्यक सामग्री एकत्र कर अभीष्ट विषय पर निबंध लिखना।
- देखी हुई घटनाओं का वर्णन करना और उन पर अपनी प्रतिक्रिया देना।
- हिन्दी की एक विधा से दूसरी विधा में रूपांतरण का कौशल।
- समारोह और गोष्ठियों की सूचना और प्रतिवेदन तैयार करना।
- सार, संक्षेपीकरण एवं भावार्थ लिखना।

- गद्य एवं पद्य अवतरणों की व्याख्या लिखना।
- स्वानुभूत विचारों और भावनाओं को स्पष्ट सहज और प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त करना।
- क्रमबद्धता और प्रकरण की एकता बनाए रखना।
- लिखने में मौलिकता और सृजनात्मकता लाना।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

अनुच्छेद लेखन

- पूर्णता – संबंधित विषय के सभी पक्षों को अनुच्छेद के सीमित आकार में संयोजित करना
- क्रमबद्धता – विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना
- विषय-केन्द्रित – प्रारंभ से अंत तक अनुच्छेद का एक सूत्र में बंधा होना
- समासिकता – सीमित शब्दों में यथासंभव पूरी बात कहने का प्रयास, अनावश्यक बातें न करके केवल विषय संबद्ध वर्णन-विवेचन

पत्र लेखन

- अनौपचारिक पत्र विचार-विमर्श का जरिया जिनमें मैत्रीपूर्ण भावना निहित, सरलता, संक्षिप्त और सादगी के साथ लेखन शैली
- औपचारिक पत्रों द्वारा दैनंदिनी जीवन की विभिन्न स्थितियों में कार्य, व्यापार, संवाद, परामर्श, अनुरोध तथा सुझाव के लिए प्रभावी एवं स्पष्ट संप्रेषण क्षमता का विकास
- सरल और बोलचाल की भाषाशैली, उपयुक्त, सटीक शब्दों के प्रयोग, सीधे-सादे ढंग से स्पष्ट और प्रत्यक्ष बात की प्रस्तुति
- प्रारूप की आवश्यक औपचारिकताओं के साथ सुस्पष्ट, सुलझे और क्रमबद्ध विचार आवश्यक तथ्य, संक्षेप और सम्पूर्णता के साथ प्रभावान्विति

विज्ञापन लेखन

विज्ञापित वस्तु / विषय को केंद्र में रखते हुए

- विज्ञापित वस्तु के विशिष्ट गुणों का उल्लेख
- आकर्षक लेखन शैली
- प्रस्तुति में नयापन, वर्तमान से जुड़ाव तथा दूसरों से भिन्नता
- विज्ञापन में आवश्यकतानुसार नारे (स्लोगन) का उपयोग
- (विज्ञापन लेखन मे बॉक्स, चित्र अथवा रंग का उपयोग अनिवार्य नहीं)

संवाद लेखन

दो या दो से अधिक लोगों के बीच होने वाले वार्तालाप/ बातचीत विषय, काल्पनिक या किसी वार्ता को सुनकर यथार्थ पर आधारित संवाद लेखन की रचनात्मक शक्ति का विकास, कहानी, नाटक, फिल्म और टीवी सीरियल से लें।

- पात्रों के अनुकूल भाषा शैली
- शब्द सीमा के भीतर एक दूसरे से जुड़े सार्थक और उद्देश्यपूर्ण संवाद
- वक्ता के हाव-भाव का संकेत
- संवाद लेखन के अंत तक विषय/मुद्दे पर वार्ता पूरी

लघु-कथा लेखन (दिए गए प्रस्थान बिंदु के आधार पर लघु कथा लेखन)

- निरंतरता
- कथात्मकता
- प्रभावी संवाद/ पात्रानुकुल संवाद
- रचनात्मकता/कल्पना शक्ति का उपयोग
- जिज्ञासा/रोचकता

संदेश लेखन (शुभकामना, पर्व-त्यौहारोंएवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश)

- विषय से संबद्धता
- संक्षिप्त और सारगर्भित
- भाषाई दक्षता एवं प्रस्तुति
- रचनात्मकता/सृजनात्मकता

हिंदी पाठ्यक्रम – अ (कोड सं. - 002)

कक्षा 9वीं हिंदी अ – परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2020-21

भारांक 80 **निर्धारित समय 3 घंटे**

परीक्षा भार विभाजन					
	विषयवस्तु			**उप भार**	**कुल भार**
1	अपठित गद्यांश (चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर) अति लघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।				10
	एक अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के) (1x2=2) (2x4=8)			10	
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु /संरचना आदि पर प्रश्न (1x16)				16
	व्याकरण				
	1	शब्द निर्माण उपसर्ग – 2 अंक, प्रत्यय – 2 अंक, समास – 4 अंक		8	
	2	अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद – 4 अंक		4	
	3	अलंकार – 4 अंक (शब्दालंकार: अनुप्रास, यमक, श्लेष) (अर्थालंकार : उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण)		4	
3	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग – 1 व पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग -1				
	अ	गद्य खंड		14	
		1	क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषय-वस्तु का ज्ञान बोध, अभिव्यक्ति आदि पर तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। (2x3)	6	
		2	क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन क्षमताओं एंव अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु चार प्रश्न पूछे जाएंगे। (2x4) (विकल्प सहित)	8	
	ब		काव्य खंड	14	
		1	क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर तीन प्रश्न पूछे जाएंगे (2x3)	6	

		2	क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु चार प्रश्न पूछे जाएंगे। (2x4) (विकल्प सहित)	8	34
	स	पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग – 1		6	
		कृतिका के निर्धारित पाठों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएँगे (विकल्प सहित)। (3x2)		6	
4	लेखन				20
	अ	विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों में से किन्हीं तीन विषयों पर 80 से 100 शब्दों में किसी एक विषय पर अनुच्छेद (5x1)		5	
	ब	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र। (5x1)		5	
	स	किसी एक विषय पर संवाद लेखन। (5x1) (विकल्प सहित)		5	
	द	लघु-कथा लेखन (दिए गए प्रस्थान बिंदु के आधार पर 100-120 शब्दों में) (विकल्प सहित)		5	
		कुल			80

निर्धारित पुस्तकें :

1. **क्षितिज, भाग–1,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
2. **कृतिका, भाग–1,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट – पाठ्यक्रम के निम्नलिखित पाठ हटा दिए गए हैं

क्षितिज, भाग – 1	काव्य खंड	• कबीर – साखियाँ व सबद पाठ से सबद-2 संतो भाई आई.. • सुमित्रानंदन पंत – ग्राम श्री
	गद्य खंड	• श्यामाचरण दूबे – उपभोक्तावाद की संस्कृति • हज़ारीप्रसाद द्विवेदी – एक कुत्ता और एक मैना
कृतिका, भाग – 1	• फणीश्वरनाथ रेणु – इस जल प्रलय में • शमशेर बहादुर सिंह – किस तरह आखिरकार मैं हिंदी में आया	

हिंदी पाठ्यक्रम -अ (कोड सं. 002)

कक्षा 10वीं हिंदी - अ परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2020-21

- **प्रश्न-पत्र दो खण्डों - खंड 'अ' और 'ब' का होगा|**
- **खंड 'अ' में 53 वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होगें |**
- **खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे| प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे |**

भारांक 80 **निर्धारित समय 3 घंटे**

परीक्षा भार विभाजन					
खंड – अ (बहुविकल्पी प्रश्न)					
	विषयवस्तु			**उप भार**	**कुलभार**
1	अपठित गद्यांश व काव्यांश पर चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न ।				10
	अ	एक अपठित गद्यांश 150 से 200 शब्दों का |(1x5=5) विकल्प सहित		5	
	ब	एक अपठित काव्यांश 150 से 200 शब्दों का |(1x5=5)विकल्प सहित		5	
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/ संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रश्न | (1x16) कुल 20 प्रश्न पूछे जाएँगे जिसमें से केवल 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे |				16
	व्याकरण				
	1	रचना के आधार पर वाक्य भेद (4 अंक)		4	
	2	वाच्य (4 अंक)		4	
	3	पद परिचय (4 अंक)		4	
	4	रस (4 अंक)		4	
3	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग – 2				
	अ	गद्य खंड		7	
		1	क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषय-वस्तु का ज्ञान बोध, अभिव्यक्ति आदि पर पांच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे । (1x5)	5	
		2	क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन क्षमताओं एवं अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x2)	2	
	ब		काव्य खंड	7	

		1	क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे (1x5)	5	14
		2	क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x2)	2	
	खंड – ब (वर्णनात्मक प्रश्न)				
	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग – 2 व पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग – 2				
1	अ	गद्य खंड			
		क्षितिज से निर्धारित पाठों में से विषय-वस्तु का ज्ञान बोध, अभिव्यक्ति आदि पर चार प्रश्न पूछे जाएँगे । (2x4)		8	
	ब	काव्य खंड			20
		क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। (2x3)		6	
	स	पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग – 2			
		कृतिका के निर्धारित पाठों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएँगे । (3x2) (विकल्प सहित)		6	
2	लेखन				
	अ	विभिन्न विषयों और संदर्भो पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लेखन । (5x1)		5	20
	ब	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र । (5x1)		5	
	स	विषय से संबंधित 25-50 शब्दों के अंतर्गत विज्ञापन लेखन । (5x1) (विकल्प सहित)		5	
	द	संदेश लेखन (शुभकामना, पर्व-त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश) (30-40 शब्दों में) (5x1) (विकल्प सहित)		5	
		कुल			**80**

निर्धारित पुस्तकें :

1. **क्षितिज, भाग–2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

2. **कृतिका, भाग–2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट – पाठ्यक्रम के निम्नलिखित पाठ हटा दिए गए हैं –

क्षितिज, भाग – 2	काव्य खंड	• देव • जयशंकर प्रसाद – आत्मकथ्य
	गद्य खंड	• महावीरप्रसाद द्विवेदी –स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन • भदंत आनंद कौसल्यायन –संस्कृति
कृतिका, भाग – 2	• एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा! • मैं क्यों लिखता हूँ ?	

कक्षा दसवीं हेतु प्रश्न पत्र का विस्तृत प्रारूप जानने के लिये कृपया बोर्ड द्वारा जारी आदर्श प्रश्न पत्र देखें।